|  |  |
| --- | --- |
|  | Лиснянская, И.  На что вам знать, березы, как бытую…  Дружба народов. - № 8. – 2006. – С. 3-7 |
| Петкевич, Ю.  Ничья  Дружба народов. - № 8. – 2006. – С. 7-28 | Жуков, В.  Крыш  Дружба народов. - № 8. – 2006. – С. 28-35 |
| Кодзати, А.  В горах над пропастью седою…  Дружба народов. - № 8. – 2006. – С. 35-37 | Ахмадов, М.  Чтобы свечу не задуло ветром  Дружба народов. - № 8. – 2006. – С. 37-47 |
| Созаев, А.  Стихи  Дружба народов. - № 8. – 2006. – С. 47-48 | Додуев, А.  Стихи  Дружба народов. - № 8. – 2006. – С. 48-49 |
| Хакуашева, М.  Дорога домой  Дружба народов. - № 8. – 2006. – С. 49-93 | Цуров, Р.  Мне этот день нежданно дорог…  Дружба народов. - № 8. – 2006. – С. 93-95 |
| Плиев, М.-С.  Стоят башни в Таргиме  Дружба народов. - № 8. – 2006. – С. 95-96 | Казиев, Ш.  Пианино  Дружба народов. - № 8. – 2006. – С. 96-100 |
| Тишков, В.  О российском народе  Дружба народов. - № 8. – 2006. – С. 179-198 | Каграманов, Ю.  Был ли Гете мусульманином?  Дружба народов. - № 8. – 2006. – С. 198-204 |